हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, मंगलवार 6 अक्टूबर 2026

11 खाद नहीं मिलने पर किसानों ने लगाया जाम



12 आढ़तियों ने डीसी से की बाजरा खरीद कराने की मांग



खबर संक्षेप



छात्रा तन्नू का मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में चयन

झज्जर। एचडी साल्हावास की होनहार छात्रा तन्नू यादव ने मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) में चयनित होकर विद्यालय, क्षेत्र व जिले का नाम रोशन किया है। एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि छात्रा तन्नू यादव ने अपनी प्रतिभा व कड़ी मेहनत के बल पर सैन्य क्षेत्र से जुड़ी प्रतिष्ठित नर्सिंग सेवा में चयनित होकर यह साबित कर दिया है कि यदि उचित दिशा निर्देशन में कड़ी मेहनत की जाए तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। तन्नू की इस शानदार सफलता पर एचडी ग्रुप के सचिव विशाल नेहरा एवं हेमंत गुलिया, प्राचार्या प्रीति राठी और एक्टिविटी इंचार्ज कमलेश ढिल्लों ने बधाई दी।

7 अक्टूबर को निकलेगी सेवा ज्योति यात्रा

बहादुरगढ़। सेवा संकल्प अभियान के तहत 7 अक्टूबर को



बहादुरगढ़ से सेवा ज्योति यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा सुबह 8 बजे सेक्टर-2 स्थित भाजपा कार्यालय से शुरू होगी और गुरुग्राम पहुंचेगी। वहां लेजर वैली पार्क में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का संबोधन सुनेंगे। भाजपा नेता दिनेश कौशिक के नेतृत्व में निकाली जाने वाली यात्रा को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। कौशिक ने बताया कि यात्रा में करीब 2500 कार्यकर्ताओं के शामिल होने की तैयारी है। इसमें वाहनों का काफिला और मोटरसाइकिल जत्था भी शामिल रहेगा। यात्रा की तैयारियों के लिए बहादुरगढ़ के चारों मंडलों के अध्यक्ष, महामंत्री, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों के साथ यात्रा में शामिल होंगे।

ट्रेन से कटकर छोटूराम नगर के युवक की मौत

बहादुरगढ़। दिल्ली-रोहतक रेल लाइन पर ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान 33 वर्षीय रविंद्र शुक्ला के रूप में हुई है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी का रहने वाला था। पिछले कुछ समय से यहां छोटूराम नगर में रह रहा था। रविवार की सुबह छोटूराम नगर फाटक के निकट उसका शव ट्रैक पर मिला था। सोमवार को परिजनों के बयान के बाद जीआरपी ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। बता दें कि इससे पहले भी छोटूराम नगर निवासी कई युवक ट्रेन की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं।

नवरात्र 11 से : मां भीमेश्वरी देवी मंदिर के पास कूड़ा फेंकने पर भक्त आहत

मंदिर के पीछे कूड़ा डालने पर भड़के लोग नपा कार्यालय के गेट पर कचरा बिखेरा

- नवरात्र में विश्व प्रसिद्ध मां भीमेश्वरी देवी मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शनों को आते हैं
- जिला प्रशासन बैठक कर मेले की तैयारियों को लेकर कर चुका है बड़े दावे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेरी





बेरी। नगर पालिका गेट के सामने कूड़ा गिराने पहुंचे कस्बावासी और गेट पर डाला जा रहा कूड़ा।

विश्व प्रसिद्ध मां भीमेश्वरी देवी मंदिर के पीछे लंबे समय से डाले जा कूड़े के उठान की शिकायत के बावजूद जब नगर पालिका प्रशासन द्वारा कोई सुध नहीं लेने पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। बेरीवासियों ने शहर से उठाए गए कूड़े से भरी ट्रैक्टर-ट्राली को नगर पालिका कार्यालय बेरी के मुख्य गेट के बाहर खाली कर दिया। गुस्साए लोगों ने गेट के सामने खड़े होकर नप प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सफाई व्यवस्था में सुधार की मांग की।

लोगों का आरोप है कि पिछले करीब एक साल से शहर का कूड़ा माता भीमेश्वरी देवी मंदिर के पीछे डाला जा रहा है।

इसके चलते मंदिर के आसपास गंदगी का माहौल बना हुआ है और दुर्गंध के कारण स्थानीय लोगों के साथ-साथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि इस समस्या को लेकर नगर पालिका अधिकारियों को कई बार मौखिक और लिखित रूप से शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि एक ओर देशभर में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है, वहीं बेरी में प्रसिद्ध धार्मिक स्थल के पीछे लगातार कूड़ा डाला जा रहा है जो ठीक नहीं है।

मंदिर के पास से डंपिंग प्वाइंट हटाने की मांग

लोगों ने बताया कि करीब एक सप्ताह बाद 11 अक्टूबर से नवरात्र शुरू होने वाले हैं। इस दौरान माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं पहुंचते हैं। जिला प्रशासन की ओर से भी तैयारियों को लेकर जोर शोर से दावे किए जा रहे हैं, लेकिन दीये तले अंधेरा वाली कहावत यहां लागू हो रही है। मंदिर के ठीक पीछे कूड़े के ढेर लगाए जा रहे हैं। नवरात्र शुरू होने पर मंदिर के पीछे कूड़े का ढेर कस्बे की छवि पर भी विपरीत प्रभाव डालेगा। उन्होंने कहा कि कूड़े से भरी ट्राली पालिका कार्यालय के बाहर डालने का उनका उद्देश्य विवाद बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रशासन का ध्यान समस्या की गंभीरता की ओर आकर्षित करना है। उन्होंने मांग की है कि मंदिर के पीछे डाला गया कूड़ा तुरंत हटाया जाए और भविष्य में धार्मिक स्थल व आबादी के आसपास कूड़ा न डालने की उचित व्यवस्था की जाए।

हत्या के बाद माइनर में फेंके गए थे संदीप व कविता के शव

- लिव इन रिलेशनशिप में थे दोनों, हसनगढ़ के दो दोस्तों पर हत्या कर गाड़ी ले जाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़



मृतक संदीप



मृतक कविता

जसोरखेड़ी के पास एनसीआर माइनर में मृत मिले महिला व पुरुष की मौत के राज से पर्दा उठ गया है। दोनों लिव इन पार्टनर थे और हत्या करने के बाद खुर्द बुर्द करने के मकसद से इनके शव माइनर में फेंके गए थे। हसनगढ़ में रहने वाले मृतकों के दो दोस्तों पर हत्या का आरोप है और वे फरार हैं।

रविवार दोपहर को जसोरखेड़ी से गुजर रही एनसीआर माइनर में महिला व पुरुष के शव मिले थे। शव चार से पांच दिन पुराने थे। देर शाम को इनकी पहचान करीब 35 वर्षीय संदीप निवासी नेब सराय दिल्ली तथा 25 वर्षीय कविता निवासी यूपी के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक, पिछले करीब 8 महीने से ये दोनों लिव इन रिलेशनशिप में थे। गत 30 सितंबर से इनका कुछ सुराग नहीं था। परिजन तलाश में जुटे थे। पुलिस को दी शिकायत में नेब सराय के निवासी राकेश का कहना हे कि उसका भाई संदीप पहले हसनगढ़ में रहता था और वहां उसकी परचून की दुकान थी। तीन-चार महीने पहले दुकान छोड़कर वह कविता के साथ वापस गांव में आ गया। अक्सर हसनगढ़ जाता रहता था। गत 26 सितंबर को वह अपनी दोस्त कविता के साथ गाड़ी लेकर घूमने के लिए निकल गया था। फिर 30 सितंबर को मेरी उससे फोन पर बात हुई तो उसने बताया था कि वह हसनगढ़ निवासी अपने दोस्त नितेश उर्फ बच्चा तथा नितेश उर्फ मेडिसन के साथ है। एक-दो दिन बाद घर आ जाएगा। लेकिन इसके बाद उसका फोन लगातार बंद आया। अब रविवार को संदीप और उसकी दोस्त कविता के शव माइनर में मिले। नितेश बच्चा और नितेश मेडिसन ने ही दोनों की हत्या की। बाद में खुर्द बुर्द करने के मकसद से शव माइनर में फेंक दिए। संदीप की गाड़ी लेकर आरोपी फरार हैं। दोनों के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। पूरे मामले का खुलासा तो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हो सकेगा। मामले में रुपयों सहित अन्य पहलुओं को देखते हुए सांपला पुलिस जांच कर रही है।



बहादुरगढ़। फैक्ट्री के बाहर कर्मचारियों को समझाते हुए पुलिस कर्मचारी।

मोबाइल पर प्रतिबंध लगाया तो कर्मचारियों ने किया हंगामा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

एचएसआईआईडीसी सेक्टर-16 स्थित एक फुटवियर कंपनी में मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध को लेकर सोमवार को कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच विवाद हो गया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने फैक्ट्री के बाहर प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

कर्मचारियों का आरोप है कि प्रबंधन ने अचानक मोबाइल फोन अंदर ले जाने पर रोक लगा दी। उनका कहना है कि वे दूर-दराज के क्षेत्रों से काम पर आते हैं। ऐसे में रास्ते में हादसा होने या परिवार में आपात स्थिति आने पर संपर्क में परेशानी हो सकती है। कर्मचारियों ने इस दौरान स्थानीय प्रशासन पर धमकी देने के आरोप भी लगाए।

वहीं, प्रबंधन के अनुसार मोबाइल पर रोक सुरक्षा और कंपनी की गोपनीयता बनाए रखने के लिए लगाई गई है। प्रबंधन का दावा है कि कुछ कर्मचारी फैक्ट्री परिसर में रील बनाकर सोशल मीडिया पर डाल रहे थे, जिससे कंपनी की आंतरिक गतिविधियों और गोपनीय जानकारी सार्वजनिक होने की आशंका थी। कर्मचारियों को कई बार चेतावनी देने के बावजूद नियमों का उल्लंघन जारी रहने पर यह निर्णय लिया गया। विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच स्थिति संभालने का प्रयास किया गया।

नर्सिंग ऑफिसर्स ने अस्पताल में दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल

- ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में जारी है आंदोलन
- तीन दिनों तक दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

प्रदेश सरकार की ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में सोमवार को नर्सिंग ऑफिसर वेलफेयर एसोसिएशन सदस्यों द्वारा दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल की गई। सांकेतिक हड़ताल के दौरान नर्सिंग ऑफिसर्स अस्पताल के बाहर एकत्रित हुईं तथा उन्होंने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए अपनी मांग पूरी करने की आवाज उठाई। एसोसिएशन की प्रदेश उपाध्यक्ष कविता गुलिया ने बताया कि उनके द्वारा यह सांकेतिक हड़ताल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में जा रही है, जो आगामी तीन दिनों तक जारी रहेगी।

उन्होंने बताया कि ट्रांसफर पॉलिसी नर्सिंग ऑफिसर्स और जनहित में नहीं है क्योंकि उनका महिला कैडर है और वे 24 घंटे ड्यूटी पर रहती हैं। प्रदेश सरकार के पास पर्याप्त संख्या में रिहायशी सुविधा भी नहीं है।



झज्जर। अस्पताल परिसर में सांकेतिक हड़ताल पर बैठी नर्सिंग ऑफिसर्स।

पांच वर्ष से अधिक एक स्टेशन पर होने पर नर्सों को छोड़ना होगा जिला

एसोसिएशन की प्रदेश उपाध्यक्ष कविता गुलिया ने बताया कि प्रदेश सरकार की ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के अनुसार जिन नर्सिंग ऑफिसर को पांच वर्ष से अधिक समय हो गया है उन्हें अपना जिला छोड़ना पड़ेगा, उसका दूसरे जिले में ट्रांसफर किया जाएगा। उनके कैडर में करीब 98 फीसदी महिलाएं हैं जिनकी तीनों शिफ्टों में ड्यूटी रहती है। नाइट ड्यूटी रात आठ बजे से शुरू होती है, ऐसे में दूसरे शहर में आने-जाने में बहुत दिक्कत होगी। इसके अलावा उनकी अन्य मांगों में पलवल में कार्यरत स्टाफ को मेवात भत्ता दिया जाए, जैसे नल्हड़ मेडिकल कॉलेज और हरियाणा के डॉक्टरों को दिया जा रहा है। नई भर्ती आने पर वहां के पुराने स्टाफ को रिप्लेस करके होम डिस्ट्रिक्ट दिया जाना व वर्दी भत्ता देना शामिल है। इस मौके पर पूर्व प्रधान अंजू, उप प्रधान मीना, मधु कैशियर, कृष्णा मैट्रन, सुदेश राठी, संतोष बल्हारा, प्रमिला, मोनिका, प्रियंका, मोनिका, मंजू, ममता, भावना, सुशीला, संगीता, सपना सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी से बाहर करने की मांग

बहादुरगढ़। स्वास्थ्य विभाग के नर्सिंग स्टाफ की ओर से ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी का विरोध लगातार जताया जा रहा है। सोमवार को नर्सिंग स्टाफ व अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों ने दो घंटे की तीन दिवसीय पेन डाउन हड़ताल की शुरुआत कर दी। नर्सों ने दो घंटे तक काम नहीं किया और धरना देकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्वास्थ्य विभाग को मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी से बाहर रखने की मांग उठाई। हड़ताल के चलते दो घंटे तक नागरिक अस्पताल में सेवाएं प्रभावित रहीं। मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि इमरजेंसी में सेवाएं सुचारू रहीं। प्रदर्शनकारी नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा कि हेल्थ डिपार्टमेंट से जुड़े कर्मचारी चौबीस घंटे सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। बार-बार ट्रांसफर होगा तो व्यवसायिक और पारिवारिक जिम्मेदारियां प्रभावित हो जाएंगी। कर्मचारियों पर मानसिक तनाव रहेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की संवेदनशीलता को देखते हुए हेल्थ डिपार्टमेंट के सभी कर्मचारियों को इस ऑनलाइन ट्रांसफर नीति के दायरे से बाहर रखना चाहिए। फिलहाल तीन दिन तक दो घंटे की पेन डाउन हड़ताल करेंगे। यदि फिर भी सरकार नहीं मानी तो एसोसिएशन के आह्वान पर लंबी स्ट्राइक पर भी जा सकते हैं।



बहादुरगढ़। पेन डाउन हड़ताल के चलते धरनारत नर्सिंग स्टाफ व कर्मचारी।

मृतक के नाम से जमीन की रजिस्ट्री कराने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव बरकताबाद में मृत व्यक्तियों के नाम से जमीन की रजिस्ट्री कराने का मामला सामने आया है। दो लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत सदर थाने में केस दर्ज हुआ है। मृतक सोहन सिंह की पत्नी नीलम कौर की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, सोहन सिंह का निधन 2 जनवरी 2008 को हो गया था, जबकि स्वर्गीय हरबंस सिंह की मौत भी वर्ष 1996-97 में हो चुकी थी। इसके बावजूद 28 अप्रैल 2015 को विक्रय विलेख संख्या 448 के जरिए दोनों को जमीन का विक्रेता दिखाया गया। करीब 7 कनाल 13 मरला जमीन का सौदा 43 लाख 76 हजार रुपये में एक व्यक्ति के पक्ष में किए जाने का उल्लेख शिकायत में है।

नीलम कौर का आरोप है कि जमीन की बिक्री के लिए 13 अप्रैल 2015 को डीटीपी कार्यालय में सोहन सिंह के नाम से एनओसी के लिए आवेदन भी दिया गया, जिसके आधार पर 16 अप्रैल को एनओसी जारी हुई। उन्होंने बताया कि सोहन सिंह भारतीय सेना से कर्नल पद से सेवानिवृत्त थे और अंग्रेजी में हस्ताक्षर करते थे, जबकि रजिस्ट्री में उनके नाम से अंगूठे का निशान और ऐसी फोटो दर्ज है, जिसे वह अपने पति की नहीं मानतीं।

शिकायत में रजिस्ट्री में दर्ज गवाहों, पहचानकर्ताओं, कथित खरीदार, जीवित सह-मालिक तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की गई है।

डंपर की टक्कर से गाड़ी सवार घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

चांदपुर के नजदीक एक डंपर चालक ने यू टर्न लेते हुए एक क्रेटा गाड़ी में टक्कर मार दी। जिस कारण गाड़ी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान के कोटपुतली जिले के शेरपुर निवासी लोकेंद्र ने बताया कि वह तीन अक्टूबर को गाड़ी से रोहतक जा रहा था। सुबह करीब 11 बजे जब वह चांदपुर के बस स्टैंड पर पहुंचा तो एक डंपर चालक ने गलत दिशा से यूटर्न लेते हुए उसकी गाड़ी को टक्कर मार दी। इस टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सहायता से उसे उपचार के लिए शहर के नागरिक अस्पताल लाया गया। इसके बाद परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

प्रोडक्ट खरीदने के नाम पर 47.05 लाख की ठगी में एक काबू

झज्जर। साइबर क्राइम पुलिस की एक टीम द्वारा प्रोडक्ट खरीदने के नाम पर 47.05 लाख रुपये की साइबर ठगी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रबंधक साइबर क्राइम निरीक्षक दर्शन सिंह ने बताया कि बहादुरगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने 20 अगस्त को शिकायत दी थी कि उसके पास फेसबुक के माध्यम से संपर्क किया गया। इसके बाद व्हाट्सएप के माध्यम से बातचीत कर उसे एक प्रोडक्ट के 200 पैकेट खरीदने का झांसा दिया गया। आरोपियों ने बताया कि उक्त प्रोडक्ट का इस्तेमाल कैंसर की दवा बनाने में किया जाता है। आरोपियों ने उससे कुल 47.05 लाख रुपये की ठगी की। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुख्य सिपाही विनोद कुमार द्वारा जांच के दौरान संबंधित बैंकों से रिकॉर्ड प्राप्त किया गया। बैंक रिकॉर्ड व केवाईसी से उक्त खाते के धारक के रूप में सी लालरौईंगा की पहचान हुई। उसे नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। आरोपी सी लालरौईंगा को मिजोरम की अदालत से ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर झज्जर लाया गया। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। मामले की आगामी जांच जारी है।

विवाद इनेलो के वरिष्ठ नेता रहे पूर्व विधायक स्व. नफे सिंह राठी पर टिप्पणी का विवाद गहराया

कांग्रेस नेता राजेंद्र जून के खिलाफ मानहानि का केस और आंदोलन करने की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

इनेलो के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एव पूर्व विधायक स्व. नफे सिंह राठी के खिलाफ पूर्व विधायक राजेंद्र जून द्वारा गई टिप्पणी को लेकर उनके पुत्र एवं वार्ड नंबर 9 से पार्षद जितेंद्र नफे सिंह राठी ने नाराजगी जताई है। साथ ही सार्वजनिक रूप से माफी न मांगने पर मानहानि का केस और आंदोलन की चेतावनी भी दी है। जितेंद्र राठी ने कहा कि सम्मेलन के दौरान कांग्रेस प्रदेश प्रभारी संजय दत्त, प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा की मौजूदगी में राजेंद्र जून ने स्व. नफे सिंह राठी के खिलाफ



पत्रकारों से वार्ता करते जितेंद्र राठी।

आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह टिप्पणी कांग्रेस नेताओं की सहमति या शह पर की गई। उन्होंने कहा कि नफे सिंह राठी ने अपने राजनीतिक कार्यकाल में बहादुरगढ़ में पेयजल, बिजली, सीमेंट-कंक्रीट की सड़कों और स्कूलों सहित मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए काम किया। वे दो बार नगर परिषद चेयरमैन और दो बार विधायक रहे। वहीं, उन्होंने राजेंद्र जून पर अपने विधायक कार्यकाल के दौरान बहादुरगढ़ की समस्याओं को विधानसभा में प्रभावी ढंग से नहीं उठाने का आरोप लगाया। इस अवसर पर जिला शहरी अध्यक्ष रामनिवास सैनी, राठी खाप प्रवक्ता अशोक परनाला, पूर्व सरपंच महेंद्र दलाल, जय सिंह आसोदा, मास्टर रामधन दलाल, सुदेश राठी, दिनेश राठी, योगेश राठी, पूर्व पार्षद शशि कुमार, योगेंद्र सांखोल, देवेंद्र दहिया, सूरज राजपूत, राज सिंह वर्मा और मास्टर सुखबीर सरोहा आदि उपस्थित रहे।

कानून से देंगे जवाब

बहादुरगढ़। इनेलो कानून प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव एडवोकेट चांद राठी ने कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र जून द्वारा स्व. नफे सिंह राठी के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी दिवंगत नेता के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग राजनीतिक मर्यादाओं के विपरीत है। इनेलो कानून प्रकोष्ठ राजनीतिक मुद्दों पर बहस से पीछे नहीं हटेगा, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों का जवाब तथ्यों, कानून और लोकतांत्रिक मर्यादा के साथ दिया जाएगा।

आवेश में आकर जुबान फिसल गई मुझे अपने शब्दों पर खेद है : जून

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

ब्लॉक कांग्रेस सम्मेलन के दौरान इनेलो के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं बहादुरगढ़ के पूर्व विधायक स्व. नफे सिंह राठी को लेकर की गई विवादित टिप्पणी पर कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने खेद जताया है। उन्होंने कहा कि आवेश में उनकी जुबान फिसल गई और एक अनुचित शब्द मुंह से निकल गया। इसके पीछे उनकी किसी का अपमान करने की मंशा नहीं थी।

राजेंद्र सिंह जून ने कहा कि स्व. नफे सिंह राठी का राजनीतिक जीवन लंबा रहा है और बहादुरगढ़



कांग्रेस सम्मेलन में की थी विवादित टिप्पणी

जून बोले-स्व. नफे सिंह राठी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं

की राजनीति में उनका अपना स्थान रहा है। राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन दिवंगत व्यक्ति के प्रति सम्मान का भाव उनके संस्कारों में है। किसी दिवंगत आत्मा के लिए इस तरह के शब्दों का प्रयोग न तो उचित है और न ही वह इसका समर्थन करते हैं।

उनकी टिप्पणी से यदि राठी परिवार, उनके समर्थकों या किसी भी नागरिक की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो उन्हें इसका खेद है। मैं अपने शब्द वापस लेते हुए स्व. नफे सिंह राठी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

पूर्व विधायक ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस प्रकरण को अनावश्यक तूल न दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी दिवंगत व्यक्ति अथवा उनके परिवार का अपमान करना नहीं था। समाज में भाईचारा बनाए रखना ही उनकी प्राथमिकता है। वह अपनी टिप्पणी के लिए खेद व्यक्त करते हैं।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि

सहेली

रोहतक, मंगलवार
6 अक्टूबर, 2026



स्पेशल : इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड-डे, 11 अक्टूबर

राष्ट्रीय हो या अंतरराष्ट्रीय, बालिकाओं की स्थिति बहुत चिंताजनक है। वे कुपोषण का शिकार हैं, शिक्षा नहीं हासिल कर सकतीं, उनका बाल विवाह हो रहा है, भ्रूण हत्याएं जारी हैं। वे हिंसा का शिकार होती हैं। कानूनी अधिकारों से वे वंचित हैं। सबसे अधिक दुखदायी स्थिति है बेटियों के साथ सामाजिक और पारिवारिक भेदभाव। दुनिया की सभी बालिकाएं अपना हक पाएं, सुखी जीवन हासिल करें, इसके लिए बहुत जरूरी है, वैश्विक स्तर पर साझे प्रयास किए जाएं।

दुनिया भर में कायम है बेटियों की जद्दोजहद

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी भी देश या समाज की दशा-दिशा के मुताबिक बेटियों के जीवन से जुड़ी परिस्थितियां भी बदल जाती हैं। दुनिया का कोई भी कोना हो, बच्चियों को असहज करने वाली बातों और हालातों में फर्क आ ही जाता है। हर जगह बड़ी होती लाडलियों के सामने आने वाली समस्याओं में भी अंतर होता है। आगे बढ़ने और अपने सपने साकार करने में आने वाली अड़चनों से जुड़ी शिकायतें भी थोड़ी भिन्न होती हैं। इतना ही नहीं, आम-सी जिंदगी जीने की सहजता भी संसार के हर कोने में एक-सी नहीं है। हर परिवेश में बेटियों के हिस्से आई सुविधाएं और दुविधाएं अलग-अलग होती हैं। यहां तक कि जन्म लेने से पहले ही उनका जीवन छीन लेने की स्थितियां भी दुनिया के कई हिस्सों की अजन्मी बेटियों को झेलनी पड़ती हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो पीड़ाओं का रंग-ढंग भले अलग हो, दुनिया के हर भू-भाग में बेटियों को बहुत-सी तकलीफों से जूझना ही पड़ता है। अनकहा-सा दबाव और बंदिशें उनके हिस्से आती ही हैं। इसी के चलते आज भी दुनिया भर में बेटियों की जद्दोजहद कायम है।

ग्लोबल लेवल पर समस्याएं

आज भी बेटियों की जद्दोजहद किसी एक देश तक सीमित नहीं है। सुरक्षा और सम्मान से जुड़े विपरीत हालात वैश्विक स्तर पर देखे जा सकते हैं। बाल विवाह हो या अशिक्षा, भ्रूणहत्या हो या कुरीतियां। किसी न किसी रूप में बेटियों के जीवन का दंश बना हुआ है। विकसित देशों से लेकर आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े देशों तक, कहीं जागरूकता की कमी है, तो कहीं अति आधुनिक विचार बेटियों के जीवन को मुसीबत में डाल रहे हैं। वैश्विक स्तर पर लड़कियों के सामने शिक्षा की कमी, सामाजिक-पारिवारिक भेदभाव, कुपोषण, हिंसा और कानूनी अधिकार पाने से जुड़ी अनगिनत चुनौतियां कायम हैं। ऐसी बहुत-सी चुनौतियों को संबोधित करने के लिए ही अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह खास दिन दुनिया भर की लड़कियों को उनके हक दिलाने और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने से जुड़ा है। इस दिन आगे बढ़ती बेटियों के योगदान का ग्लोबल उत्सव भी मनाया जाता है। बेटियों के सशक्त स्वर, उनके प्रभावी कार्यों और नेतृत्व क्षमता की चर्चा होती है। विशेष रूप से बेटियों की परवाह करने वाले लोग हर उस मोर्चे पर अवेयरनेस लाने का प्रयास करते हैं, जो उनके जीवन को सहज बना सके। संसार के हर कोने में समस्याओं का सामना करती बालिकाओं के लिए अपने अधिकार पाने और मन-जीवन से जुड़ी चुनौतियों का डटकर सामना करने का परिवेश बना सकें।



मिले बाल विवाह के दंश से मुक्ति

साल 2026 के लिए इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड-डे की थीम 'एंड चाइल्ड मैरिज एंड इंवेस्ट इन गर्ल्स राइट्स' है। यह विषय लड़कियों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले ऑर्गनाइजेशंस, दुनिया भर के आम नागरिकों और यूएन के पार्टनर्स द्वारा मिलकर तय किया गया है। यह मुहिम साझे प्रयासों से बाल विवाह को खत्म करने, लड़कियों के अधिकारों को बल देने और फाइनेंशियल कॉन्ट्रिब्यूशन करने के लिए सक्रियता से काम करने का उद्देश्य लिए है। बाल विवाह हमारे देश में ही नहीं, दुनिया भर में बेटियों के जीवन के लिए दंश बना हुआ है। हर साल विश्व में एक करोड़ बारह लाख लड़कियों की चाइल्ड मैरिज होती है। दुनिया के कई देशों में बेटियों की शादी एडल्ट होने से पहले ही करा दी जाती है। समझना कठिन नहीं, बाल विवाह के बाद जेंडर वॉयलेंस, कुपोषण, कम उम्र में मां बनने से प्रेग्नेंसी के कॉम्प्लिकेशन जैसी स्थितियां लड़कियों के हिस्से आती हैं।

आंकड़े बताते हैं कि लगभग हर चार में से एक 15-19 वर्ष की लड़की ने अपने जीवनकाल में इंटीमेट पार्टनर की हिंसा झेली होती है। वैश्विक स्तर पर टीनएजर्स के एचआईवी संक्रमण के नए केसेस में 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं। इन स्थितियों में लड़कियों का सम्मान और स्वास्थ्य दोनों चोटिल होते हैं। पढ़ाई छूट जाती है। भविष्य बनाने के सपने टूट जाते हैं। सुखद है कि हमारे देश में अब बाल विवाह में कमी आई है। बेटियों का जीवन सहेजने के लिए बाल विवाह को लेकर वैश्विक स्तर पर जागरूकता लाना और पारिवारिक स्तर पर जवाबदेही तय करना आवश्यक है।

आशाओं को मिले संबल

यूनिसेफ की एक रिसर्च के अनुसार अनगिनत चुनौतियों से जूझने के बावजूद दुनिया भर की लड़कियां बेहतर भविष्य के लिए आशान्वित और दृढ़ संकल्पित हैं। ग्लोबल लेवल पर बहुत-सी बालिकाएं सुरक्षित, सशक्त बनने के विजन को लेकर आगे बढ़ रही हैं। उनकी आशाओं को संबल देने की जरूरत है।



कई समस्याओं का सामना कर रही हैं बालिकाएं

आमतौर पर यह मान लिया जाता है कि विकसित देशों में लड़कियों का जीवन बहुत सहज-सुविधाजनक है। जबकि आर्थिक रूप से संपन्न इन देशों में भी कई सामाजिक-पारिवारिक बंधन लड़कियों के हिस्से हैं। इतना ही नहीं, तकनीकी तरक्की के चलते इन देशों में लड़कियां साइबर बुलिंग की शिकार बनती हैं। टूटते परिवारों वाले आधुनिक समाज में बहुत-सी बच्चियां अकेलापन और एंग्जायटी भी झेलती हैं। कुछ समय पहले आई सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की 60 फीसदी लड़कियों ने लगातार उदास और हताश रहने की शिकायत की थी। इसी रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की हर दस में एक से ज्यादा लड़की ने बताया कि उसे यौन धमकियां मिलीं और यौन संबंधों के लिए मजबूर किया गया। समझना मुश्किल नहीं कि दुनिया का कोई भी देश हो, बिखरी मनःस्थिति में बच्चियों का आपराधिक सोच वाले लोगों के जाल में फंसना बहुत आसान होता है। विकसित देशों में सिंगल पैरेंट के साथ बड़ी होती बेटियों में भावनात्मक असुरक्षा बहुत अधिक होती है। अमेरिका जैसे देश में भी जेंडर पे गैप की स्थितियां मौजूद हैं।

जो बिना कहे साथ निभाए वही है सच्चा रिश्ता

रिश्ते सिर्फ यह कह देने से 'हम आप से बहुत प्यार करते हैं' साबित नहीं होते, बल्कि उन अनकहे शब्दों से भी पहचाने जाते हैं, जब कोई बिना कुछ कहे साथ खड़ा रहता है, मुश्किल घड़ी में संबल बनता है। प्यार की असली खूबसूरती शब्दों से अधिक भरोसे में छिपी होती है। सच्चे रिश्ते की यही पहचान है।

रिलेशनशिप
वीरेंद्र बहादुर सिंह



अकसर आपने देखा होगा कि कुछ लोग हर समय प्यार और अपनेपन का इजहार तो करते रहते हैं, लेकिन मुश्किल समय में साथ नहीं दिखते। वहीं कुछ लोग कभी बड़े-बड़े वादे नहीं करते, लेकिन जरूरत पड़ने पर आपके साथ खड़े होते हैं। सच यही है कि सच्चे रिश्तों की पहचान शब्दों से नहीं, व्यवहार से होती है।

आकर्षण से ज्यादा विश्वास-अपनत्व है जरूरी: किसी नए रिश्ते की शुरुआत प्रायः किसी न किसी आकर्षण से होती है। हर आकर्षण के पीछे कोई न कोई वजह होती है। किसी का स्वभाव, व्यक्तित्व या समझदारी हमें उसकी ओर खींचती है। समय के साथ यदि ये वजहें बदलने लगें तो आकर्षण भी कम हो सकता है। लेकिन रिश्ता अगर केवल आकर्षण पर नहीं, विश्वास और अपनत्व पर टिका हो, तो वह लंबे समय तक बना रहता है।



'आई लव यू' के साथ जुड़ी होती हैं उम्मीदें: जब कोई 'आई लव यू' या 'मैं तुमसे करती हूं/प्यार करता हूं' कहता है, तो उसके साथ कई अनकही उम्मीदें भी जुड़ी होती हैं। साथ निभाना, परवाह करना, मुश्किल समय में साथ खड़ा रहना और भावनाओं को समझना, ये सब प्रेम का हिस्सा हैं। परेशानी तब शुरू होती है, जब इन उम्मीदों/अपेक्षाओं पर कभी खुलकर बात ही नहीं होती।

अनकही शिकायतों से बढ़ती है रिश्तों में दूरी: अधूरी उम्मीदें धीरे-धीरे शिकायतों का रूप ले लेती हैं। इन शिकायतों को जल्द से जल्द आपसी बातचीत और समझदारी से हल किया जाना जरूरी है। शिकायतों को मन में दबाए रखने से सामने वाले को अपनी बात स्पष्ट करने का मौका नहीं मिलता। इससे रिश्ते में नाराजगी और गलतफहमी का जाल फैलता जाता है, दूरी बढ़ने लगती है। रिश्तों में सबसे बड़ा संकट तब आता है, जब मन की बात मन में ही रह जाती है।

छोटी-छोटी गलतफहमियों से टूटते हैं रिश्ते: अधिकांश रिश्ते किसी एक बड़ी घटना से नहीं टूटते। वे छोटी-छोटी गलतफहमियों, गलत धारणाओं और संवाद की कमी से कमजोर होकर टूट जाते हैं। यदि हर छोटी बात या गलतफहमी को बढ़ा-चढ़ाकर देखा जाए, तो प्रेम की जगह अविश्वास घर कर लेता है। कई बार यह अविश्वास रिश्ते के टूटने का कारण बन जाता है।

सच्चे प्रेम को प्रमाण की जरूरत नहीं होती: जो व्यक्ति आपको दिल से चाहता है, उसका अपनापन आपको स्वतः महसूस हो ही जाता है। वह चाहे कम बोले, लेकिन उसके व्यवहार में उसका प्रेम दिखाई देता है। उसी तरह जो केवल दिखावे का रिश्ता निभा रहा हो, उसकी सच्चाई भी समय के साथ स्पष्ट हो ही जाती है।

जताने से ज्यादा जरूरी है निभाना: जीवन में सबसे अनमोल रिश्ता वही होता है, जहां दिखावे से अधिक विश्वास हो, शब्दों से अधिक संवेदनाएं हों और वादों से अधिक साथ निभाने का साहस हो। आखिरकार, सच्चे रिश्ते बोलते नहीं, महसूस होते हैं।

खत्म नहीं होता सच्चा रिश्ता: लोग अलग हो सकते हैं, लेकिन रिश्तों की यादें, सीख और भावनाएं हमेशा साथ रहती हैं। कोई भी सच्चा रिश्ता समाप्त नहीं होता, समय के साथ केवल उसका स्वरूप बदल जाता है।

हर किसी के लिए 'मी टाइम' जरूरी है, पति- पत्नी के लिए भी, क्योंकि शादी के बाद दोनों अपनी रुटीन लाइफ में इतने ज्यादा बिजी हो जाते हैं कि उनके पास अपने लिए कोई समय नहीं होता। जीवन में हमेशा एक ताजगी बनी रहे, इसके लिए जरूरी है 'मी टाइम'।

क्या 'मी टाइम' शादीशुदा लोगों के लिए भी जरूरी है?

मैरिड लाइफ
नैंसी गुप्ता

शादी के बाद जिंदगी में जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। घर-परिवार, बच्चों की देखभाल, नौकरी और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच कई दंपती अपनी पसंद और जरूरतों के लिए समय निकालना भूल जाते हैं। खासकर रोजमर्रा की व्यस्त जिंदगी में व्यक्ति का पूरा ध्यान दूसरों की जरूरतें पूरी करने में लग जाता है। ऐसे में खुद के लिए समय निकालना यानी 'मी टाइम' मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। अकेले समय बिताने का मतलब परिवार से दूरी बनाना नहीं होता, बल्कि यह खुद को समझने और अपने भीतर एक नई ऊर्जा जुटाने का अवसर होता है। जी हां, शादीशुदा लोगों के लिए भी 'मी टाइम' बहुत जरूरी है। इसे स्वस्थ रिश्ते और बेहतर जीवनशैली का हिस्सा समझना चाहिए।



खुद के लिए समय निकालना क्यों जरूरी : शादी के बाद अकसर व्यक्ति की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। घर और परिवार की जरूरतों को पूरा करते-करते अपनी पसंद, आराम और रुचियों के लिए समय कम बचता है। लगातार व्यस्त रहने से थकान और चिड़चिड़ापन महसूस होने लगता है। रोजाना कुछ समय अपने लिए निकालने से व्यक्ति को मानसिक रूप से आराम मिलता है, वह अपनी जरूरतों पर ध्यान दे पाता है। यह समय बहुत लंबा हो यह जरूरी नहीं है। दिन में 20-30 मिनट आसानी से अपने लिए निकाले जा सकते हैं।



'मी टाइम' का मतलब अकेले रहना नहीं: कई लोगों को लगता है कि 'मी टाइम' का अर्थ परिवार से अलग रहना या जिम्मेदारियों से बचना है, ऐसा बिल्कुल नहीं है। 'मी टाइम' का मतलब अपनी पसंद का कोई काम करना होता है, जैसे कोई किताब पढ़ना, पेंटिंग करना, संगीत सुनना, टहलना, पौधों की देखभाल करना, योग करना या शांत बैठकर चाय पीना भी 'मी टाइम' का हिस्सा है। जरूरी यह है कि इस दौरान व्यक्ति खुद को मानसिक रूप से आराम देने वाली गतिविधि करे, उसे एक सुकून महसूस हो।

शादीशुदा रिश्ते के लिए भी फायदेमंद: पति-पत्नी का हर समय साथ रहने का मतलब यह नहीं होता कि उन्हें हर काम साथ ही करना चाहिए। दोनों को अपनी व्यक्तिगत पसंद और रुचियों के लिए भी एक स्पेस मिलनी चाहिए। जब व्यक्ति खुद के लिए समय निकालता है तो वह अधिक तरोताजा महसूस करता है। इससे छोटी-छोटी बातों पर होने वाली झुंझलाहट कम करने में मदद मिलती है। हमें यह समझना चाहिए कि स्वस्थ रिश्ते में साथ समय बिताने के साथ-साथ एक-दूसरे के पर्सनल स्पेस का सम्मान करना भी जरूरी है। यह दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखता है।

अपनी रुचि को फिर से पहचानें: शादी और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच कई लोग अपनी पुरानी हॉबी छोड़ देते हैं। किसी को पेंटिंग पसंद होती है, किसी को डांस या फिर पढ़ना-लिखना, लेकिन समय न मिलने के कारण ये रुचियां पीछे छूट जाती हैं। 'मी टाइम' अपनी पुरानी रुचियों को फिर से जिंदगी में शामिल करने का मौका देता है।

हर समय परिवार के लिए उपलब्ध रहना जरूरी नहीं: परिवार के सदस्यों की जरूरतों का ध्यान रखना बहुत अच्छी बात है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति को हर समय उपलब्ध रहना ही चाहिए। लगातार काम करते रहने से थकान बढ़ जाती है। इसलिए घर में सभी सदस्यों को एक-दूसरे की जरूरतो का ध्यान रखना चाहिए।

अगर कोई व्यक्ति कुछ समय शांत रहना चाहता है या अपनी पसंद का कोई काम करना चाहता है, तो इसे गलत समझने के बजाय उसकी जरूरत के रूप में देखना चाहिए।

(लाइफस्टाइल एक्सपर्ट श्वेता गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

घर पर ऐसे करें हेयर कलर



हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आजकल महिलाओं में बालों को कलर करने का ट्रेंड बहुत देखने को मिल रहा है। जहां पहले सिर्फ सफेद बालों को काला करने के लिए कलर किया जाता था। लेकिन अब महिलाएं काले बालों को ग्लैमरस लुक देने के लिए भी उन्हें कलर करवा रही हैं। लेकिन केमिकल वाले कलर्स से बालों को नुकसान भी पहुंचता है। इसलिए बालों को नेचुरल कलर से रंगना चाहिए।

नेचुरल हेयर कलर: आजकल प्राकृतिक तत्वों और सब्जियों से बने कलर्स भी 'हेयर मस्कारे' के रूप में उपलब्ध हैं। हेयर मस्कारा कुछ हद तक क्रेयॉन की तरह होते हैं, जो बालों को 'स्ट्रीक' करने के लिए किए जाते हैं। यह काफी प्रभावी रूप से सफेद बालों को छिपाते हैं। ये बालों को ग्लैमरस लुक देते हैं और सामान्य बालों से अलग लुक देने में भी मदद करते हैं। इसका मुख्य लाभ यह है कि ये बालों की संरचना और बनावट को होने वाले नुकसान से बचाते हैं।



ऐसे बनाएं हेयर कलर: हालांकि बाजार में हर्बल उत्पादों से बने नेचुरल कलर तो मिल जाते हैं लेकिन ये थोड़े महंगे होते हैं। आप चाहें तो इन्हें घर पर भी बना सकती हैं। कलर पेस्ट बनाने के लिए गुनगुने पानी में मेहंदी और कत्था जैसे नेचुरल कलरेंट मिलाएं। इसके बाद रबर के दस्ताने पहनकर समान रूप से ऊपर से नीचे तक बालों पर लगाएं। 3 घंटे के लिए रंग लगा हुआ छोड़ दें। इसके बाद अच्छी तरह साफ पानी से धो लें।

फायदेमंद है आंवला: आंवला सफेद बालों को नियंत्रित करने के लिए उत्तम माना जाता है। कच्चे आंवले का रस एक पानी के गिलास में डालकर रोज पीने से सफेद बालों को नियंत्रित करने में मदद करता है। साथ ही आंवला, मेहंदी पावडर में मिलाकर लगाया जा सकता है। आपको बता दें कि मेहंदी सफेद बालों को रंगती है, न कि काले बालों को। इसका पेस्ट बनाने के लिए रात को 2 से 3 कप पानी में रात भर सूखा आंवला भिगोकर रख दें। अगली सुबह, आंवला पानी से निकाल लें। इसके बाद पानी फेंकना नहीं है। अब आंवला पीस लें। इसके बाद मेहंदी पावडर में आंवला पेस्ट, 4 छोटे चम्मच नीबू का रस, कॉफी, 2 चम्मच तेल और पर्याप्त आंवले का पानी मिलाएं। दो से तीन घंटे के लिए पेस्ट बनाकर रख दें। फिर पूरे बालों में इस तरह लगाएं कि सारे बाल कवर हो जाएं। कम से कम दो घंटे के लिए रखें और सादे पानी से धो लें।



इस तरह लगाएं मेहंदी: सबसे पहले ध्यान रखें कि मेहंदी पावडर अच्छी गुणवत्ता की हो। यह गहरे हरे रंग की होनी चाहिए। हेयर हेल्थ को अच्छा करने और बालों की समस्याओं को दूर करने के लिए मेहंदी के साथ आंवले, ब्राह्मी, भृंगराज, बेल आदि का इस्तेमाल करना चाहिए। मेहंदी बहुत अच्छा कंडीशनर होता है और बालों को सुरक्षा के साथ मजबूती भी प्रदान करता है।

आने वाले नवरात्रों में आप व्रत जरूर रखेंगी। व्रत के दौरान सिर्फ अन्न से दूरी बनाना ही काफी नहीं है। शरीर को पर्याप्त ऊर्जा और पोषण मिले, इसके लिए सही आहार का सेवन करना भी जरूरी है।

व्रत में ऐसी हो आपकी डाइट

डाइट सजेशन
निकिता चौहान





अधिकतर महिलाएं नवरात्र व्रत रखती हैं। अकसर लोग व्रत के दौरान फलाहार के नाम पर तली-भुनी चीजें, साबूदाना, आलू और मीठे खाद्य पदार्थ अधिक मात्रा में खाने लगते हैं। इससे सेहत को फायदा होने के बजाय नुकसान हो सकता है। वहीं, पर्याप्त पानी और संतुलित आहार की कमी से कमजोरी, सिरदर्द, एसिडिटी, कब्ज और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि व्रत के दौरान ऐसी डाइट ली जाए, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ पोषण भी दे। नवरात्र में व्रत का उद्देश्य केवल भोजन छोड़ना नहीं, बल्कि संयम के साथ शरीर और मन का ध्यान रखना भी है। संतुलित फलाहार, पर्याप्त पानी और सही मात्रा में पोषक तत्व लेकर आस्था के साथ सेहत का भी ख्याल रखा जा सकता है।

बनाए रखें हाइड्रेशन: नवरात्र के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है। दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें। इसके अलावा नारियल पानी, नीबू पानी, छाछ जैसे पेय भी डाइट में शामिल किए जा सकते हैं। बहुत अधिक चीनी वाले पेय और पैकेज्ड जूस से बचना बेहतर है।

फल-सब्जियों का सेवन: व्रत की डाइट में मौसमी फल और सब्जियों को शामिल करना अच्छा विकल्प है। सेब, पपीता, संतरा और अमरूद जैसे फल खाए जा सकते हैं। फलों के जूस की बजाय पूरा फल खाना बेहतर रहता है, क्योंकि इससे फाइबर भी मिलता है। दिनभर एक साथ ज्यादा खाने की बजाय छोटे और संतुलित मील लेना अधिक बेहतर है।

कुट्टू, सिंघाड़ा और सामक से मिले ऊर्जा: व्रत में कुट्टू या सिंघाड़े के आटे की रोटी और चीला लिया जा सकता है। इसके साथ दही या सब्जियां शामिल करने से भोजन अधिक संतुलित हो जाता है। सामक के चावल भी सीमित मात्रा में खाए जा सकते हैं। प्रोटीन के लिए दूध, दही और पनीर ले सकते हैं।

तली-भुनी चीजों से बनाएं दूरी: साबूदाने की खिचड़ी, वड़ा, आलू चिप्स, कुट्टू की पूड़ी और पकौड़े व्रत में खूब पसंद किए जाते हैं। इनका अधिक सेवन कैलोरी बढ़ाने के साथ पेट से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है।

नमक-चीनी का सीमित सेवन: व्रत में सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसकी मात्रा पर भी नियंत्रण जरूरी है। चाय, कॉफी, मीठी लस्सी और अन्य मीठे पेय का भी अधिक सेवन नहीं करना चाहिए।

व्रत खोलते समय बरतें सावधानी: व्रत खोलते ही बहुत ज्यादा या भारी, मसालेदार और तला-भुना भोजन करने से बचें। शुरुआत हल्के भोजन, फल या दही से की जा सकती है। भोजन धीरे-धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाएं, ताकि पाचन तंत्र पर अचानक अधिक भार न पड़े।

बरतें ये विशेष सावधानी: डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, किडनी या हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित लोगों को बिना चिकित्सकीय सलाह के लंबे समय तक उपवास नहीं करना चाहिए। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं, बुजुर्गों तथा नियमित दवा लेने वाले लोगों को भी व्रत रखने से पहले डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह लेनी चाहिए।

(सीनियर डाइटिशियन डॉ. आस्था शर्मा से बातचीत पर आधारित)

सहकारी सोसाइटी को मशीन चालू करने का नहीं मिला मैसेज

कानौंदा में खाद नहीं मिलने पर किसानों ने लगाया जाम, वितरण शुरू होने पर खोला

जाम की सूचना मिलने पर भाजपा के विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक मौके पर पहुंचे और डीसी से बातचीत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़



बहादुरगढ़। ग्रामीणों द्वारा रोड पर लगाए गए ट्रैक्टर। फोटो : हरिभूमि

गांव कानौंदा में डीएपी खाद न मिलने से नाराज किसानों ने मुख्य स्टैंड पर नाहरा-नाहरी रोड जाम कर दिया। करीब 15 मिनट तक लगे जाम के चलते वाहन चालकों को परेशानी हुई।

जानकारी के मुताबिक, करीब 150 किसान सुबह 10 बजे से खाद मिलने का इंतजार कर रहे थे। इफको झज्जर की ओर से सहकारी सोसाइटी को मशीन चालू करने का मैसेज नहीं मिलने के कारण खाद वितरण शुरू नहीं हो पाया था। किसानों ने इस संबंध में डायल 112 पर भी शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं होने पर उन्होंने ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सड़क पर लगाकर जाम लगा दिया।

मैसेज मिलने पर शुरू का खाद का वितरण: सूचना मिलने पर भाजपा के बहादुरगढ़ विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक मौके पर पहुंचे। उन्होंने डीसी झज्जर से फोन पर बात की। इसके बाद सहकारी सोसाइटी को मशीन चालू करने का मैसेज मिल गया और किसानों को खाद वितरण शुरू कर दिया गया। खाद मिलने की प्रक्रिया शुरू होते ही किसानों ने जाम खोल दिया। इसके बाद स्थिति सामान्य हो गई। किसानों ने कहा कि खाद बिक्री में इस तरह की अड़चन नहीं आनी चाहिए।

आंगन मिलन कार्यक्रम

चेयरपर्सन ने आंगनबाड़ी में पहुंच सुविधाएं जांची

बहादुरगढ़। गांव सांखोल में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रममें नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी मुख्यातिथि रहीं। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को मिल रही सुविधाओं और गतिविधियों की जानकारी ली। कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के कार्यों की सराहना की। सरोज राठी ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता और महिलाओं से जुड़ी सरकारी योजनाओं को पात्र लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को सम्मानित किया

इस दौरान कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को सम्मानित किया गया और बच्चों को फल वितरित किए गए। महिलाओं व ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर सरोज राठी में गर्भवती महिलाओं को समय समय पर जांच करवाने के लिए प्रेरित किया।

न्यूज डायरी



जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी

झज्जर। सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न जन जागरूकता एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में नमो सेवा अनकही कहानियां मॉड्यूल के तहत सोमवार को जिले के विभिन्न गांवों एवं शिक्षण संस्थानों में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में कलाकारों ने लोक शैली के माध्यम से विकसित राष्ट्र, नशामुक्ति, सामाजिक जागरूकता, आपसी भाईचारे और जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश दिया। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में उपयोग होनी चाहिए, न कि नशे जैसी बुराइयों में।



एसडीएम ने सुनीं आमजन की समस्याएं

बेरी। सोमवार को आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में एसडीएम रेणुका नांदल ने आमजन की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के जल्द समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी विभिन्न समस्याएं और शिकायतें एक ही स्थान पर संबंधित विभागों के समक्ष रखने तथा उनका शीघ्र समाधान प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। इससे लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और उनकी समस्याओं का निपटारा पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से हो रहा है।

विद्यार्थियों को प्रभावी संचार, आत्मविश्वास और स्पष्ट अभिव्यक्ति के बारे में जानकारी दी



बहादुरगढ़। चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में सोमवार को अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में कम्युनिकेशन व सॉफ्ट स्किल्स विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुशील दलाल ने की। कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय सांपला की डॉ. अंकिता मलिक ने विद्यार्थियों को प्रभावी संचार, आत्मविश्वास और स्पष्ट अभिव्यक्ति के बारे में जानकारी दी। वहीं पंडित एनआरएस राजकीय महाविद्यालय, रोहतक की प्रो. मनीषा हुड्डा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सॉफ्ट स्किल्स की भूमिका तथा व्यक्तित्व और सर्वांगीण विकास में इनके महत्व को समझाया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में संवाद कौशल, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और रोजगारपरक दक्षताओं को बढ़ावा देना रहा। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद करते हुए कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजिका अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापक ज्योति रहीं। इस अवसर पर डॉ. अनीता दलाल, संजय देसवाल, ललिता, मनोज कुमार सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।



सेवा ज्योति यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं को दी जिम्मेदारी

झज्जर। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य धनखड़ ने सोमवार को एक वाटिका में बादली व दादरी तोए तथा एमआर हसनपुर स्कूल में सुबाना व कुलाना मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक ली। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान के तहत सात अक्टूबर को आयोजित हो रही सेवा ज्योति यात्रा की जानकारी देते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक अपना भारत विकसित राष्ट्र बने। इसी संकल्प को हर नागरिक विशेषकर हर युवा तक पहुंचाने के लिए यह यात्रा आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि बादली हलका हमेशा अग्रणी रहा है और इस बार भी सेवा ज्योति यात्रा में सबसे ज्यादा भागीदारी बादली हलके से होगी। उन्होंने कहा कि हलके के हर बूथ और हर गांव से सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता अपने अपने दुपहिया वाहनों पर सवार होकर राजकीय पीजी नेहरू कॉलेज में आयोजित जनसभा में पहुंचें। इस दौरान आनंद सागर, सतबीर गांधी, जय किशन छिल्लर, सोमबीर कोडान आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थी संसाधनों और समस्याओं को ध्यान में रखकर ही उद्यमिता के अवसर तलाशें



बहादुरगढ़। गांव छारा में स्थित चौधरी हरिद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत इनोवेशन फर्स्ट चैलेंज के अंतर्गत वाणिज्य विभाग की ओर से एमएसएमई एवं स्टार्टअप योजनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. सुशील दलाल के मार्गदर्शन में हुआ। मुख्य वक्ता मनजीत ने विद्यार्थियों को एमएसएमई पंजीकरण, उद्यम स्थापना, सरकारी सहायता, वित्तीय सुविधाओं और व्यवसाय विस्तार से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवा नौकरी तलाशने के साथ अपना उद्यम शुरू कर रोजगार के अवसर भी पैदा कर सकते हैं। उन्होंने स्टार्टअप के लिए अच्छे विचार के साथ समाज की वास्तविक समस्याओं की पहचान कर उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि एवं जिला समन्वयक दिनेश शेखावत ने इनोवेशन फर्स्ट चैलेंज के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को अपने नवीन विचारों को मॉडल, प्रोजेक्ट या उपयोगी समाधान के रूप में विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों से स्थानीय संसाधनों और समस्याओं को ध्यान में रखकर उद्यमिता के अवसर तलाशने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आइडिया जनरेशन, नवाचार, उद्यमिता, एमएसएमई, स्टार्टअप और स्वरोजगार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।



बदबूदार पानी की समस्या का हुआ समाधान

बहादुरगढ़। वार्ड-14 के शास्त्री नगर में पिछले कई महीनों से चली आ रही गंदे व बदबूदार पानी की समस्या का समाधान हो गया है। समस्या से राहत मिलने पर वार्ड वासियों ने उपायुक्त वर्षा खंगवाल और पूर्व पार्षद जसबीर सैनी का आभार जताया। दरअसल, पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने गंदे पानी की बोतल लेकर उपायुक्त वर्षा खंगवाल से मुलाकात कर उन्हें समस्या से अवगत कराया था। उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को लीकेज ठीक कर पेयजल आपूर्ति सुचारु करने के निर्देश दिए। इसके बाद विभाग ने लीकेज को ठीक कर दिया, जिससे अब क्षेत्र में स्वच्छ पानी की सप्लाई बहाल हो गई है।

एसडीएम ने सुनीं लोगों की शिकायतें



बहादुरगढ़। लघु सचिवालय परिसर में सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम अभिनव सिवाच ने आमजन की शिकायतें सुनीं। समाधान शिविर में नगर परिषद, पुलिस, जनस्वास्थ्य विभाग, डीटीपी, एचएसवीपी तथा राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न शिकायतें सामने आईं। एसडीएम ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से मामले की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। एसडीएम अभिनव सिवाच ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें और किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न होने दें।

सेवा संकल्प अभियान के तहत नाटक के जरिये दी योजनाओं की जानकारी

बेटियों को जागरूक करना ही देश को जागरूक करना है: सरोज राठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़



बहादुरगढ़। चेयरपर्सन का स्वागत करती प्रिंसिपल व शिक्षक।

पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला स्तरीय नुक्कड़ नाटक नमो सेवा अनकही कहानियां का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवा कार्यों को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रिंसिपल प्रवीण कुमारी ने की। अतिथि के रूप में चेयरपर्सन सरोज राठी व पालेराम शर्मा ने शिरकत की। जतिन एंड टीम के कलाकारों ने उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर जल समेत विभिन्न योजनाओं पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

कलाकारों ने अभिनय के माध्यम से छात्राओं को सरकार की योजनाओं, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। सरोज राठी ने कहा कि बेटियों को जागरूक करना ही देश को जागरूक करना है।

सीखने की प्रक्रिया में रुचि सबसे महत्वपूर्ण:जिला शिक्षा अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर



झज्जर। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत आयोजित शिविर में उपस्थित प्रशिक्षक एवं शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिले के चार खंडों के प्राथमिक शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिला निपुण समन्वयक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया ने बताया कि प्रथम चरण में बहादुरगढ़ में दो, झज्जर में दो तथा बेरी व साल्हावास में एक-एक बैच शुरू किए गए हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान के प्रभावी शिक्षण की नवीन व बाल-केंद्रित पद्धतियों से परिचित कराना है। स्थानीय पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रशिक्षण का शुभारंभ एडीसी जगनिवास व जिला शिक्षा अधिकारी रतिंद्र सिंह ने किया। एडीसी ने कहा कि एक निपुण शिक्षक ही विद्यार्थियों को निपुण बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि सीखने की प्रक्रिया में रुचि सबसे महत्वपूर्ण है और शिक्षक विद्यार्थियों में सीखने की रुचि पैदा करें। जिला शिक्षा अधिकारी रतिंद्र सिंह ने प्रशिक्षण को शिक्षकों के ज्ञान, कौशल और शिक्षण पद्धति को अपडेट करने का माध्यम बताया। वहीं बेरी में प्रशिक्षण का शुभारंभ डाइट प्राचार्य अनिल श्योराण, जिला परियोजना समन्वयक अनिल शर्मा व खंड शिक्षा अधिकारी भारती वर्मा ने किया। बहादुरगढ़ में खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह तथा साल्हावास में खंड शिक्षा अधिकारी जयपाल दहिया द्वारा प्रशिक्षण की शुरूआत की गई।



लोगों ने योजनाओं की जानकारी प्राप्त की

बेरी। सेवा संकल्प अभियान के तहत नागरिकों को सरकारी सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सहज रूप से उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से गांव दूबलधन में सोमवार को सेवा सेतु कैंप का आयोजन हुआ। जिसमें भाजपा नेता संजय कबलाना ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए कैंप का शुभारंभ किया। कैंप में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त की और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाया।

नशे के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया

कड़ी मेहनत सफलता की मजबूत नींव

■ उप निरीक्षक सत्य प्रकाश ने किया विद्यार्थियों को संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़



राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र आसौदा में उप निरीक्षक सत्य प्रकाश ने विद्यार्थियों से संवाद किया। विद्यार्थियों को नशे और अपराध से दूर रहने तथा मेहनत व लगन के साथ अपने भविष्य को संवारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा देश की ताकत हैं और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना जरूरी है। नशा स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन को प्रभावित करने के साथ व्यक्ति को अपराध की ओर भी ले जा सकता है। विद्यार्थियों को इससे दूर रहकर अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करना चाहिए। उपनिरीक्षक ने कहा कि शिक्षा, तकनीकी कौशल, अनुशासन, ईमानदारी और कड़ी मेहनत सफलता की मजबूत नींव हैं। विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करते हुए नए कौशल सीखने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान विद्यार्थियों को साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी से बचाव और यातायात नियमों के पालन के बारे में भी जानकारी दी गई।

पोषण और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति महिलाओं को किया जागरूक

महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता और मुख्यमंत्री मातृत्व एवं शिशु कल्याण योजना सहित विभाग की कई योजनाओं की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़



सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार को आंगन मिलन सेवा मॉड्यूल के दूसरे दिन खंड बहादुरगढ़ ग्रामीण-एक के आंगनवाड़ी केंद्रों पर जागरूकता गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों में महिलाओं और बच्चों को पोषण, संतुलित आहार, बच्चों की वृद्धि एवं विकास तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की डीपीओ नेहा दहिया ने बताया कि विभिन्न केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रमों में कुल 8343 लाभार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना और मुख्यमंत्री मातृत्व एवं शिशु कल्याण योजना सहित विभाग की अन्य योजनाओं के बारे में बताया गया।

उन्होंने कहा कि आंगन मिलन सेवा का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से परिवारों को पोषण, स्वास्थ्य और बच्चों के समुचित विकास के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान स्वस्थ आदतें अपनाने और बच्चों के बेहतर विकास के लिए नियमित देखभाल पर भी जोर दिया गया।

न्यायालय श्रीमान सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी बेरी, जिला झज्जर

1. रवि कुमार पुत्र जसबीर सिंह पुत्र सुबे सिंह 2. कुलदीप सिंह 3. योगेश कुमार पुत्रान किताब सिंह पुत्र सुबे सिंह 4. पूनम देवी विधवा सकीम पुत्र किताब सिंह 5. कनिका पुत्री सकीम पुत्र किताब सिंह 6. लक्षित पुत्र सकीम पुत्र किताब सिंह निवासीयान गांव डीघल तहसील बेरी जिला झज्जर।

...प्रार्थीगण / फरीकअव्वलगण

बनाम

1. बिजेन्द्र सिंह पुत्र सुबे सिंह पुत्र हूंगर 2. सुरशना देवी विधवा 3. बबीता 4. रेनूबाला पुत्रीयान 5. संदीप कुमार 6. रविंद्र पुत्रान दयानंद पुत्र रखीराम 7. नरेन्द्र सिंह मृतक पुत्र करतार सिंह बजरिए कानूनी वारसान 7क मुकेश विधवा 7 ख. सतेन्द्र 7ग. सुजेश पुत्रान नरेन्द्र पुत्र करतार सिंह पुत्र रखीराम 8. सुरेन्द्र सिंह 9. सतीश कुमार 10. दवेन्द्र सिंह 11. कृष्ण कुमार 12. जोगेन्द्र सिंह पुत्रान करतार सिंह पुत्र रखीराम 13. बिजेन्द्र सिंह पुत्र हरि सिंह पुत्र भगवान सिंह 14. प्रेम देवी पत्नी रामेश्वर पुत्र इच्छाराम 15.. बिहारीलाल 16. जशराम 17. रामधन 18. देवकीनन्दन पुत्रान नारायणदास पुत्र बन्सीलाल 19. लक्ष्मीनारायण 20. जयनारायण पुत्रान बन्सीलाल पुत्र अंगड़ीराम सभी निवासीयान गांव डीघल तहसील बेरी जिला झज्जर।

....उत्तरवादीगण / फरीकदोयमगण

इश्तहार मुनादी अखबार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीगण / फरीकअव्वल ने एक दरखास्त बाबत तकसीम वाका मौजा डीघल तहसील बेरी जिला झज्जर अराजी जरई खेवट नं. 2478//2025 व खतौनी नं. 2657, गु. नं0 154 का किला नं. 10 (6-16), 11/1(1-5), 12(7-7), 13/1(2-15), 18(8-0), 19/1(0-16), 23(8-0), कुल किते 7, कुल रकबा तादादी 34 कनाल 19 मरले वाका रकबा मौजा डीघल तहसील बेरी जिला झज्जर की दायर की हुई है। जिसमें आगामी तारीख पेशी दिनांक 09.10.26 लगी हुई है। इस नोटिस द्वारा उत्तरवादी / फरीकदोयम नं. 13 ता 20 व उसके परिवार के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि फरीकदोयम नं. 13 ता 20 व उसके परिवार के सदस्यों को उपरोक्त दरखास्त बाबत तकसीम बारे कोई भी उजर व ऐतराज हो तो दिनांक 09.10.2026 को उरे न्यायालय में व्यक्तिगत या अपने वकील के माध्यम से उपस्थित होवे। इसके उपरान्त गुजरने स्याद उत्तरवादी/फरीकदोयम नं. 13 ता 20 के खिलाफ एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

यह कि इश्तहार मुनादी इस न्यायालय से दिनांक 01-10-2026 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ है।

दिनांक :-01/10/2026 हस्ता/-सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी

स्थान :- बेरी बेरी, झज्जर।

दूसरे दिन उमड़ा आस्था का सैलाब

श्रीमद्भागवत कथा में श्रीकृष्ण की बाल लीला सुन हुए भावविभोर

वेदव्यास की उत्पत्ति और उनके द्वारा धर्मग्रंथों के संरक्षण का विस्तार से किया वर्णन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के सीताराम गेट स्थित सैनी धर्मशाला में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर कथा का श्रवण किया। कथा व्यास के रूप में उपस्थित वृंदावन धाम के त्रिवेंद्रदास महाराज ने भगवान शुकदेव के जन्म एवं उनके वैराग्य से जुड़े प्रसंगों के साथ वेदव्यास की उत्पत्ति और उनके द्वारा धर्मग्रंथों के संरक्षण एवं प्रसार से जुड़े प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान शुकदेव महर्षि वेदव्यास के पुत्र थे और बचपन से ही अत्यंत वैराग्यवान एवं आत्मज्ञानी थे। सांसारिक मोह-माया से विरक्त शुकदेव ने ज्ञान और आत्मतत्व की प्राप्ति को ही जीवन का उद्देश्य माना। उन्होंने गृहस्थ जीवन के बंधनों से दूर रहकर आध्यात्मिक मार्ग को अपनाया। इसी वैराग्य और ज्ञान के कारण उन्हें श्रीमद्भागवत के महान वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है। उन्होंने राजा परीक्षित और शुकदेव के संवाद का उल्लेख करते हुए बताया कि मृत्यु के निकट पहुंच चुके राजा परीक्षित को शुकदेव ने श्रीमद्भागवत का ज्ञान सुनाकर जीवन, कर्म, भक्ति और मोक्ष का मार्ग बताया।



झज्जर। श्रीमद् भागवत कथा में उपस्थित महिला श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है गीता

वेदव्यास की उत्पत्ति का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि महर्षि वेदव्यास का जन्म ऋषि पराशर और सत्यवती के पुत्र के रूप में हुआ था। उन्होंने वेदों का विभाजन और उनका व्यवस्थित संकलन किया तथा महाभारत सहित अनेक धार्मिक ग्रंथों की रचना एवं संकलन के माध्यम से सनातन ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। कथा व्यास ने कहा कि महर्षि वेदव्यास का जीवन ज्ञान के संरक्षण और समाज के कल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि गीता मनुष्य को कर्त्तव्य, सत्य, धर्म और निष्काम कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के साथ भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए। इस मौके पर शीला, अनीता, कविता, अमित, दीपक, रिंकू, नसीब, सुनील, मंजीत सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

श्रीराम धर्मशाला में शुरू हुई श्रीविष्णु पुराण कथा, शहर में निकाली गई कलश यात्रा

कथा व्यास स्वामी उमानंद ने सुनाई भगवान विष्णु की महिमा, भक्तों ने लगाए जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर



झज्जर। श्रीविष्णु पुराण सुनाते हुए कथा व्यास स्वामी उमानंद। फोटो : हरिभूमि

शहर के हरिपुरा मौहल्ला स्थित श्रीराम धर्मशाला में सोमवार को श्रीविष्णु पुराण कथा का भव्य शुभारंभ किया गया। कथा के शुभारंभ से पहले शहर में कलश यात्रा निकाली गई जो शहर के मुख्य चौक-चौराहों से होते हुए वापिस धर्मशाला पहुंच कर संपन्न हुई। इसके उपरांत कथा व्यास स्वामी उमानंद ने प्रथम दिन श्रद्धालुओं को भगवान श्रीविष्णु की महिमा, उनके विभिन्न स्वरूपों तथा सनातन धर्म में विष्णु पुराण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु सृष्टि के पालनकर्ता हैं और उनकी भक्ति मनुष्य को धर्म, मर्यादा व सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

जीवन को सही दिशा देता है विष्णु पुराण

विष्णु पुराण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला ज्ञान का भंडार है। इसमें भगवान के विभिन्न अवतारों और उनकी लीलाओं के माध्यम से सत्य, धर्म, करुणा व सेवा का संदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में मानसिक शांति खोता जा रहा है। ऐसे में कथा, सत्संग और प्रभु का स्मरण व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाते हैं। जिस जीवन में भगवान का स्मरण और सद्कर्म होते हैं, वही जीवन वास्तव में सार्थक होता है। इस मौके पर रविंद्र सोनी, तिलकराज गोसाईं, राधेश्याम भाटिया, सूबे सिंह हरित, लक्ष्य वर्मा, राम गेरा, अजीत सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बाजरे की खरीद शुरू कराने के लिए आढ़ती हरेंद्र 4 दिन से भूख हड़ताल पर

आढ़तियों ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन जल्द खरीद शुरू करवाने की मांग उठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नई अनाजमंडी में बाजरे की सरकारी खरीद जल्द शुरू करवाने की मांग को लेकर आढ़ती हरेंद्र पिछले चार दिन से भूख हड़ताल पर हैं। उनका कहना है कि जिब तक एक-एक दाने की खरीद नहीं हो जाती, तब तक वह भूख हड़ताल जारी रखेंगे। इस बीच,, सोमवार को नई अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन के सदस्य व किसान मंडी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं व बाजरा खरीद शीघ्र शुरू कराने की मांग को लेकर सोमवार को लघु सचिवालय पहुंचे। एसोसिएशन प्रधान विनोद पूनिया के नेतृत्व में पहुंचे आढ़तियों ने डीसी वर्षा खांगवाल से मुलाकात की। आढ़तियों ने डीसी को मांगपत्र सौंपते हुए समस्याओं का जल्द समाधान कराने की मांग की। सौंपे गए मांगपत्र में बाजरे की फसल की खरीद जल्द शुरू कराने की मांग की है।



झज्जर। डीसी को ज्ञापन सौंपते हुए अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन सदस्य। फोटो : हरिभूमि



झज्जर। भूख हड़ताल पर बैठे आढ़ती एवं अनाज मंडी एसोसिएशन के पूर्व प्रधान हरेंद्र सिलाना।

अवैध पार्किंग हटवाने की उठाई मांग

इसके अलावा आढ़तियों ने मंडी के गेट नंबर-3 पर हो रही अवैध पार्किंग को तुरंत बंद कराने की मांग की। उनका कहना है कि अवैध पार्किंग के कारण किसानों को अपनी फसल लेकर मंडी में आने-जाने में परेशानी होती है। उन्होंने डीसी से कहा कि पुलिस प्रशासन को आवश्यक निर्देश जारी कर पार्किंग की समस्या का समाधान किया जाए।

बाधित होगी खरीद

समय रहते बाजरे की खरीद नहीं की गई तो आगामी धान की फसल की आवक और खरीद का कार्य भी प्रभावित हो सकता है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

एक-एक दाने की खरीद तक अनशन

अनाजमंडी एसोसिएशन के पूर्व प्रधान हरेंद्र सिलाना ने बाजरे की सरकारी खरीद को शुरू कराने की मांग को लेकर लगातार चौथे दिन भी भूख हड़ताल पर रहे। उन्होंने कहा कि जब तक बाजरे की सरकारी खरीद शुरू नहीं होती और अनाज मंडी से बाजरे का एक एक दाना नहीं उठ जाता, उनकी भूख हड़ताल जारी रहेगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का ब्लॉक स्तरीय सम्मेलन दस को जहांगीरपुर में

झज्जर। दस अक्टूबर को क्षेत्र के गांव जहांगीरपुर में ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बादली विधानसभा क्षेत्र से विधायक कुलदीप वत्स ने बताया कि गांव के बैंकट हॉल में सुबह 11:00 बजे होने वाले इस सम्मेलन में लोकसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा तथा हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त मुख्यातिथि के रूप मे शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में संगठन को और अधिक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करने तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की दिशा तय करने संबंधी रूप रेखा तैयार की जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रेवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295154800, 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900



रंगारंग कार्यक्रम में झूमे बुजुर्ग

बहादुरगढ़। दिल्ली हॉस्पिटल की ओर से जिमखाना क्लब में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता के साथ सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. श्रवण बंसल, डॉ. राज रानी बंसल, सचिन मित्तल और अग्रवाल मैत्री संघ सेक्टर-6 के प्रधान अशोक गोयल सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। मंच संचालन गणेश सैनी और गीता गुप्ता ने किया। डॉ. श्रवण बंसल ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। डॉ. राजरानी बंसल ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों ने अपने अनुभव और योगदान से परिवार व समाज को समृद्ध किया है। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। भारत विकास परिषद रोहतक के पूर्व अध्यक्ष रमन गुप्ता, भारत विकास परिषद की राष्ट्रीय सचिव गीता गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।



मटका पेंटिंग प्रतियोगिता में नेहा को मिला पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ में सोमवार को छात्राओं के लिए पॉट रिंग मेकिंग व मटका पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉक्टर दलबीर सिंह के नेतृत्व व प्रशासनिक प्रभारी डॉक्टर सुरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में महिला प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साह से भागीदारी करते हुए अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की आयोजक नीतू देवी ने बताया कि निर्णायक मंडल में डॉक्टर पवित्रा देवी, सुचिता, डॉक्टर मोनिका, डॉक्टर सतपाल सिंह, राजेश कुमार, सवीन, पवन कुमार व रवि शंकर त्रिपाठी शामिल रहे। प्रतियोगिता परिणामों में पॉट रिंग मेकिंग व इंडी प्रतियोगिता में रितू ने प्रथम, नैना ने द्वितीय व ज्योति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तु निर्माण में नेहा पहले, बीए प्रथम वर्ष की छात्रा रितू दूसरे व एमए द्वितीय वर्ष की छात्रा रितू तीसरे स्थान पर रही। मटका पेंटिंग में नेहा को पहला, एमए द्वितीय वर्ष की रितू को दूसरा व भावना को तीसरा स्थान मिला। इस मौके पर अंजना, मंजू कुमारी व डॉक्टर रीना सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों के समक्ष उठाई औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़



कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने एचएसआईआईडीसी अधिकारियों के साथ बैठक कर औद्योगिक क्षेत्रों में सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं उठाईं। एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक विनय प्रताप सिंह, आईएएस के मार्गदर्शन में हुई बैठक में मुख्य अभियंता अरुण पांडे, वरिष्ठ प्रबंधक रॉबिन बाटला और एस्टेट सहायक प्रबंधक दीपक परमार मौजूद रहे। कोबी की ओर से अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, उपाध्यक्ष विपिन बजाज, महासचिव प्रदीप कौल, संयुक्त सचिव सुरेंद्र वशिष्ठ तथा कार्यकारिणी सदस्य पुरुषोत्तम गोयल और सुनील गर्ग शामिल हुए। बैठक में एमआईई पार्ट-ए व बी, ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया, सेक्टर-16, सेक्टर-17 और सेक्टर-4बी की समस्याएं रखी गईं। इनमें टूटी सड़कों की मरम्मत, सीवर ओवरफ्लो, खुले सीवर व मैनहोल, स्ट्रीट लाइटों की कमी, पार्कों के रखरखाव, पानी की आपूर्ति, जल निकासी से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि कई स्थानों पर नई सड़कें बनने के बावजूद जलभराव और निकासी की समस्या बनी हुई है। मुख्य अभियंता अरुण पांडे ने समस्याओं को सुनते हुए जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया।



विद्यार्थियों ने सेवा का संदेश दिया

बहादुरगढ़। सेवा संकल्प अभियान के तहत गांव लडरावण स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नमो सेवा अनकही कहानियां नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों से जुड़े सेवा, समर्पण, राष्ट्रहित और जनकल्याण के प्रसंग प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में भाजपा के बहादुरगढ़ विधानसभा प्रत्याशी रहे दिनेश कौशिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विद्यालय पहुंचने पर सरपंच मनीष, प्राचार्य रवि धनखड़, रोहताश सहित ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। अभिनय के जरिए विद्यार्थियों ने समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने तथा जरूरतमंदों की सहायता करने का संदेश दिया। दिनेश कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, राष्ट्रहित और जनकल्याण की भावना प्रमुख रही है।

न्यूज डायरी



स्कूल में विक्रम छिल्लर का अभिनंदन

बहादुरगढ़। त्रिवेणी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व छात्र अधिवक्ता विक्रम सिंह छिल्लर के बार एसोसिएशन बहादुरगढ़ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष बनने पर विद्यालय में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। निदेशिका संगीता वर्मा, प्रिंसिपल सुमित्रा महला और वाइस प्रिंसिपल अनिल कुमार सहित तमाम स्टाफ ने विक्रम छिल्लर को बधाई दी। विक्रम सिंह छिल्लर ने वर्ष 2004-05 में विद्यालय से कक्षा 11वीं और 12वीं की शिक्षा प्राप्त की थी। निदेशिका संगीता वर्मा ने कहा कि पूर्व छात्र की सफलता विद्यालय के लिए गौरव का विषय है और उनकी उपलब्धि विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। विक्रम छिल्लर ने विद्यालय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि त्रिवेणी में मिली शिक्षा और संस्कारों ने उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक सम्मानित

झज्जर। केंद्रीय आर्य युवक परिषद की ओर से अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह में जिले के गांव दादनपुर निवासी सेवानिवृत्त गणित प्राध्यापक एवं राज्य शिक्षक अवार्डी सोमबीर बेनीवाल को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्यों के लिए श्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से नवाजा गया। इस दौरान डॉक्टर अमीर सिंह यादव, राजीव जैन, डॉक्टर रामपाल सैनी, विद्यानंद यादव व केंद्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महेंद्र व कृष्ण कुमार दहिया सहित अन्य भी उपस्थित रहे।



पोस्टर मेकिंग स्पर्धा में अमन को पहला स्थान

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस और रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में एचआईवी एड्स पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन प्रभारी डॉक्टर ज्योति और विप्लव शर्मा ने किया। प्रतियोगिता का निर्णय डॉक्टर कविता, डॉक्टर कुलदीप और सौम्य रंजन बिस्वाल ने किया। जिसमें बीकॉम प्रथम वर्ष के अमन ने पहला, एमए प्रथम वर्ष की साक्षी ने दूसरा तथा बीए प्रथम वर्ष की मानसी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य दलबीर सिंह ने विजेता प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।



जीडी गोयनका के 4 खिलाड़ियों ने जीते गोल्ड

बहादुरगढ़। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने 10वीं ओपन रेवाड़ी कराटे प्लैनेट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 स्वर्ण पदक जीते। विजेता खिलाड़ियों का स्कूल में जोरदार अभिनंदन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन 4 अक्टूबर को किया गया। विद्यालय के छात्र 9 वर्षीय देवांश छिल्लर ने 30 से 35 किलोग्राम, 11 वर्षीय छात्र एकलव्य ने 35 से 40 किलोग्राम, 13 वर्षीय राइशा ने 50 से 55 किलोग्राम तथा 14 वर्षीय चेतना ने 55 से 60 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय की चेयरपर्सन शैलजा जून और प्रधानाचार्या ने विजेता खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों को बधाई दी।



विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव बताए

झज्जर। जिला पुलिस द्वारा युवाओं को नशे से दूर रखने तथा विभिन्न सुरक्षा विषयों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में छुछकवास चौकी प्रभारी सतबीर एवं नशा मुक्ति टीम झज्जर द्वारा गांव अच्छेज पहाड़ीपुर स्थित आईटीआई में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। नशा मुक्ति टीम ने विद्यार्थियों को बताया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इस दौरान विद्यार्थियों को डायल 112 सेवा, साइबर अपराध से बचाव तथा ट्रैफिक नियमों के संबंध में जानकारी दी गई।